युनाइटेड बैंक ऑफ़ इंडिया
(भारत सरकार का उपक्रम)
आपका बैंक

United Bank of India
(A Govt. of India Undertaking)
The Bank that begins with U

www.unitedbankofindia.com

वार्षिक रिपोर्ट
ANNUAL REPORT
2015-2016

युनाइटेड बैंक ऑफ़ इंडिया
प्रधान कार्यालय
युनाइटेड टावर, 11, हेमन्त बसु सरणी, कोलकाता–700 001
www.unitedbankofindia.com

United Bank of India
Head Office
United Tower, 11, Hemanta Basu Sarani, Kolkata-700 001
www.unitedbankofindia.com

विषय-सूची

- निदेशक मंडल 2
- मुख्य सतर्कता अधिकारी एवं महाप्रबंधकगण 3-4
- बैंक का संक्षिप्त इतिहास और संकल्प 5
- कार्यनिष्पादन की एक झलक 6-7
- शेयरधारकों को संदेश 8-9
- निदेशकों की रिपोर्ट एवं प्रबंधन विचार-विमर्श और विश्लेषण 10-29
- कंपनी अभिशासन की रिपोर्ट 30-39
- आचार संहिता की घोषणा 40
- सीईओ-सीएफओ का प्रमाण-पत्र 41
- कंपनी अभिशासन पर लेखा परीक्षकों का प्रमाण-पत्र 42
- स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट 43-46
- 31 मार्च, 2016 का तुलन-पत्र 47
- अनुसूची 1 - अनुसूची 12 48-55
- 31 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष का लाभ-हानि लेखा 56-57
- अनुसूची 13 - अनुसूची 18 58-87
- 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष का नकदी प्रवाह विवरण 88-89
- बासेल - III मानदंडों के अन्तर्गत पीलर-3 का प्रकटीकरण 90-125

CONTENTS

- Brief History & Vision Statement of the Bank 129
- Performance at a glance 130-131
- Message to Shareholders 132-133
- Director's Report & Management Discussion and Analysis 134-152
- Corporate Governance Report 153-162
- Code of Conduct Declaration 163
- CEO-CFO Certificate 164
- Auditors' Certificate on Corporate Governance 165
- Independent Auditors' Report 166-168
- Balance Sheet as on 31st March 2016 169-170
- Schedule 1 - Schedule 12 171-177
- Profit & Loss Account for the year ended 31st March 2016 178
- Schedule 13 - Schedule 18 179-207
- Cash Flow Statement for the year ended 31st March 2016 208-209
- Pillar - 3 Disclosure under Basel - III Norms 210-245

निदेशक मंडल /BOARD OF DIRECTORS

श्री पेटलुरी श्रीनिवास
प्रबंध निदेशक एवं सीईओ
Sri Petluri Srinivas
Managing Director & CEO

श्री संजय आर्य
कार्यपालक निदेशक
Sri Sanjay Arya
Executive Director

श्री के वी राममूर्ती
कार्यपालक निदेशक
Sri K V Rama Moorthy
Executive Director

श्री ए के डोगरा
भारत सरकार द्वारा नामित
Sri A. K. Dogra
Nominee-Govt. of India

श्री अर्णब राय
भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा नामित
Sri Arnab Roy
Nominee-Reserve Bank of India

श्रीमती रेणुका मुट्टू
अंशकालिक गैर-कार्यालयीन निदेशक
Smt. Renuka Muttoo
Part-time Non-official Director

श्री प्रत्यूष सिन्हा
शेयरधारक निदेशक
Sri Pratyush Sinha
Shareholder Director

श्री एस. सूर्यनारायण
शेयरधारक निदेशक
Sri S. Suryanarayana
Shareholder Director

श्री संजीब पति
कामगार कर्मचारी निदेशक
Sri Sanjib Pati
Workmen Employee Director

मुख्य सतर्कता अधिकारी /CHIEF VIGILANCE OFFICER

श्री अरुण कुमार वर्मा
Sri Arun Kumar Verma

महाप्रबंधकगण /GENERAL MANAGERS

श्री देबाशीष मुखर्जी
Sri Debashish Mukherjee

श्री नरेश कुमार कपूर
Sri Naresh Kumar Kapoor

श्री विकास सीताराम खुटवाड
Sri Vikas Sitaram Khutwad

श्री संजय कुमार
Sri Sanjay Kumar

श्री रथिन दे
Sri Rathin De

श्री मानस धर
Sri Manash Dhar

मो. आब्दुल वाहिद
Md. Abdul Wahid

श्री उमेश कुमार राय
Sri Umesh Kumar Roy

श्रीमती सुनंदा बसु
Smt. Sunanda Basu

श्री कुंतिला बालाराजू
Sri Kuntilla Balaraju

श्री विनय गंदोत्रा
Sri Vinay Gandotra

श्री गौरी प्रसाद शर्मा
Sri Gauri Prosad Sarma

कंपनी सचिव, अनुपालन अधिकारी एवं निदेशक मंडल के सचिव :

श्री बिक्रमजीत सोम

सांविधिक केंद्रीय लेखा परीक्षक :

मेसर्स राममूर्ति (एन) एंड कंपनी
मेसर्स पी सी बिन्दल एंड कंपनी
मेसर्स एस पी एम आर एंड एसोसियेट्स
मेसर्स नंदी एंड एसोसियेट्स

रजिस्ट्रार एवं शेयर ट्रांसफर एजेंट :

लिंक इनटाइम प्रा. लि.
सी-13 पन्नालाल सिल्क मिल्स कंपाउंड्स
एल बी एस रोड, भंडुप (प)
मुंबई - 400 078

पंजीकृत कार्यालय का पता :

युनाइटेड बैंक ऑफ़ इंडिया
युनाइटेड टावर
11 हेमंत बसु सरणी
कोलकाता - 700 001

वेबसाइट
www.unitedbankofindia.com
ईमेल
investors@unitedbank.co.in

बैंक का संक्षिप्त इतिहास

युनाइटेड बैंक ऑफ़ इंडिया का एक अभूतपूर्व इतिहास है। एक छोटे से बैंक, कोमिल्ला बैंकिंग कॉरपोरेशन लि. (1914 में स्थापित) के तीन अन्य बैंकों जैसे कोमिल्ला यूनियन बैंक लि. (1922 में स्थापित), हुगली बैंक लि. (1932 में स्थापित) और बंगाल सेन्ट्रल बैंक लि. (1918 में स्थापित) में विलय के साथ 18 दिसम्बर, 1950 में युनाइटेड बैंक ऑफ़ इंडिया का गठन हुआ। बैंक का प्रधान कार्यालय पहले 4, क्लाइव घाट स्ट्रीट (अब एन.सी.दत्ता सरणी), कोलकाता-700001 में अवस्थित था जो बाद में 11, हेमन्त बसु सरणी, कोलकाता-700001 के वर्तमान स्थान में स्थानांतरित हो गया ।

19 जुलाई, 1969 को 13 अन्य बैंकों के साथ-साथ इस बैंक का राष्ट्रीयकरण हुआ। बाद में कटक बैंक लिमिटेड, तेजपुर औद्योगिक बैंक लिमिटेड, हिन्दुस्तान मर्केटाइल बैंक लिमिटेड और नारंग बैंक ऑफ़ इंडिया लिमिटेड को इस बैंक के साथ विलय कर दिया गया।

युनाइटेड बैंक ऑफ़ इंडिया का क्रमशः विकास हुआ है। राष्ट्रीयकरण के समय 1969 में 174 शाखाओं का नेटवर्क और रु. 259 करोड़ रुपये का व्यवसाय से शुरू करके, वर्तमान में बैंक का व्यवसाय 2011 शाखाओं/ कार्यालयों के साथ कुल रु. 1.87 लाख करोड़ से ज्यादा का है। पूर्वी पाकिस्तान में परिचालित शाखाओं के 1971 में पाकिस्तान के साथ हुए युद्ध के परिणाम स्वरुप बंद हो जाने से, बैंक ने 2010 में ढाका, बांग्लादेश और बाद में यांगून, म्यंमार में प्रतिनिधि कार्यालय स्थापित करके अपनी अंतर्राष्ट्रीय उपस्थिति का विस्तार किया। बैंक का अन्तर्राष्ट्रीय परिचालन, वैदेशिक बैंकों के साथ खोले गए संवाददाता संबंध के व्यापक नेटवर्क द्वारा समर्थित है।

युनाइटेड संकल्प

हमारा संकल्प व्यावसायिकता, विश्वास एवं पारदर्शिता के वातावरण में, समष्टि अभिशासन और सामाजिक उत्तरदायित्वों के उच्चतम मानकों को अपनाकर, समस्त स्वत्वाधारियों की अपेक्षाओं और अपने कर्मचारियों की महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने और जोखिम प्रबंधन पर समुचित बल देते हुए, हमारे देश के एक, व्यवसाय वृद्धि एवं लाभप्रदता पर केंद्रीभूत, गतिशील, प्रौद्योगिकी उन्नत, ग्राहक हितैषी, प्रगामी, आर्थिक रूप में सुदृढ़, अखिल भारतीय बैंक के रूप में उभरना है।

सारतः, सर्वोत्कृष्टता की प्राप्ति ही, हमारे बैंक का आंतरिक दर्शन और प्रेरणा स्रोत होगा।

कार्यनिष्पादन की विशेषताएं

- 31.03.2016 तक बैंक के कुल व्यवसाय में रु 187813 करोड़ की वृद्धि हुई है।
- कुल जमा राशि में रु 7583 करोड़ तक वृद्धि हुई।
- 31 मार्च, 2016 तक कासा के अंश में 41.92% का सुधार हुआ।
- 2016 की तिमाही 4 के लिए परिचालन लाभ रु 245.32 करोड़ और वित्त वर्ष 2016 के लिए यह रु 1811.80 करोड़ हुआ।
- 2016 की तिमाही 4 के लिए शुद्ध लाभ रु (413.04) करोड़ और वित्तीय वर्ष 2016 के लिए रु (281.95) करोड़ हुआ।
- 2016 की तिमाही 4 के लिए शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) रु 405.45 करोड़ और वित्तीय वर्ष 2016 के लिए रु 2280.56 करोड़ हुई।
- 31.03.2016 तक सकल एनपीए रु 9471.01 करोड़ हुआ।
- वित्तीय वर्ष 2016 के लिए एनआईएम 2.01% रहा।
- 31 मार्च, 2016 तक टियर I में 7.93% के साथ सीआरएआर (बासेल-III) 10.08% हुआ।

कार्यनिष्पादन की एक झलक

राशि करोड़ ₹ में

मानदंड	2013-14	2014-15	2015-16
शाखाओं की संख्या	2001	2004	2011
पूंजी	1354.75	839.52	1319.52
इक्विटी	554.75	839.52	839.52
पी एन सी पी एस	800	0	0
शेयर आवेदन राशि (लंबित आवंटन)	0	0	480.00
प्रारक्षित एवं अधिशेष	3927.91	4988.52	4999.67
पूंजी पर्याप्तता			
बासेल-II	11.46%	11.42%	10.46%
बासेल-III	9.81%	10.57%	10.08%
सकल लाभ	2061.74	2427.94	1811.80
शुद्ध लाभ	-1213.44	255.99	-281.95
कुल जमा	111510	108818	116401
औसत जमा	106010	105410	109138
प्रतिशत वृद्धि	20.75%	-0.57%	3.54%
सकल अग्रिम	67982	69070	71412
औसत सकल अग्रिम	72208	65920	66784
प्रतिशत वृद्धि	18.45%	-8.71%	1.31%
कुल व्यवसाय	179492	177888	187813
प्रतिशत वृद्धि	5.36%	-0.89%	5.58%
निवेश	44876	46798	44934
प्राथमिकता–प्राप्त क्षेत्र को अग्रिम	28950	28561	29809
शुद्ध ऋण का प्रतिशत / ए एन बी सी	40.10%	40.48%	41.16%
कुल कर्मचारी	16499	15192	14981
प्रति कर्मचारी व्यवसाय	10.67	11.51	12.37

शेयरधारकों को संदेश

प्रिय शेयर धारकगण,

मैं वर्ष 2015-16 के लिए आपके बैंक की वार्षिक रिपोर्ट एक ऐसे समय में प्रस्तुत कर रहा हूँ जब सामान्य तौर पर बैंकिंग उद्योग और विशेष तौर पर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक अर्थव्यवस्था की सुस्ती, कारपोरेट एवं विनिर्माण क्षेत्र की मंदी, सर्वव्याप्त आस्ति संकट से त्रस्त होकर उथल-पुथल के दौर से गुजर रहे हैं। नव विनियामक परिशुद्धतावाद (प्यूरिटैनिज़्म) के कारण यह स्थिति और भी अधिक गंभीर हो गई है। युनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया भी इस स्थिति से अप्रभावित नहीं रह सका है।

आर्थिक स्थिति :

जब हम उक्त कठिन परिस्थितियों को समझने के लिए बैंकिंग और आर्थिक जगत की विगत 15 महीनों की घटनाओं का विश्लेषण करते हैं तो पाते हैं कि विद्यमान आर्थिक कठिनाइयों के लिए वैश्विक और स्थानीय दोनों ही कारण जिम्मेदार हैं ।

उन्नत बाज़ारों में बढ़ते हुए वित्तीय उथल पुथल के मध्य वैश्विक सुधार पुनः कमजोर हुआ है। यूएस ने उपाय के तौर पर मात्रात्मक सहजता की शुरूआत की जिसका अनुकरण बाद में ईयू और जापान ने किया। इसका उद्देश्य ब्याज दर को कम करके मुद्रास्फीति को नियंत्रित करना था । उक्त कार्रवाई से अपेक्षाएँ पूरी नहीं हुई क्योंकि उससे न तो खपत बढ़ी और न निवेश। प्रणाली में मुद्रा ढालने से केवल ऋण में वृद्धि हुई और परिसंपत्ति के मूल्य में उछाल आया । उभरती हुई बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति भी बेहतर नहीं थी। ब्राज़ील और रूस जैसे कुछ देश पहले से ही निराशाजनक आर्थिक मंदी में डूबे हुए हैं। ब्राज़ील में 8 प्रतिशत तक खपत और 10 प्रतिशत तक निवेश कम हो गया तथा जीडीपी में 3.8 प्रतिशत ह्रास हुआ। चीन की स्थिति में काफी गिरावट आई है और दुबारा बुलबुले की तरह फूटने का भय बना हुआ है। यूआन 16 माह के न्यूनतम स्तर पर पहुँच गया और निर्यात 25 प्रतिशत कम हो गया । चीनी अर्थव्यवस्था में पुनः नरमी आने के भय , इक्विटी मार्केट के अवमूल्यन एवं यूआन के मूल्यह्रास के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था निरंतर किनारे पर अवस्थित रहेगी।

गनीमत है कि भारत में अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर करीब 7 प्रतिशत पर कायम है। हालांकि, विभिन्न खंडों /क्षेत्रों के अपने अलग अलग विकास ढांचे हैं। सरकार के जोरदार हस्तक्षेप और पर्याप्त मूल्य संवर्धन के बावजूद औद्योगिक उत्पादन में अधिक सुधार नहीं देखा गया है। विगत वर्ष अपेक्षा से कम बारिश हुई जिसका अनाज उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। इस वर्ष हम बहुत अच्छे मानसून की उम्मीद कर रहे हैं। लगभग एक वर्ष से माह दर माह निर्यात गिरता जा रहा है। सेवा क्षेत्र अपने प्रगति पथ को कायम रखे हुए है जिससे तनाव ग्रस्त अर्थव्यवस्था को थोड़ी राहत मिल रही है। मुद्रास्फीति पर लगाम लगाने हेतु भारतीय रिजर्व बैंक के एकलदिशात्मक उपायों से मौद्रिक नीति को सुविधाजनक बनाने के लिए नियामक को मदद मिली।

इस वर्ष की शुरुआत से ही मुद्रास्फीति कुछ कम थी और भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आई एम डी) की पूर्वसूचना अनुसार यदि मानसून इस साल सामान्य रहा तो मुद्रा स्फीति की यह प्रवृत्ति जारी रहनी चाहिए । इससे कृषि उत्पादन का मूल्य स्थिर करने में मदद मिलेगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वस्तुओं की कीमतों में गिरावट, मुख्य रूप से तेल और धातुओं में गिरावट ने थोक मूल्य सूचकांक को हतोत्साहित कर दिया है और भारतीय रिजर्व बैंक को उम्मीद है कि तरलता प्रबंधन के साथ मुद्रास्फीति आगे भी बेहतर होगी।

एशियाई विकास बैंक ने कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि मुख्य रूप से सार्वजनिक निवेश में मंदी, कॉर्पोरेट बैलेंस शीट में निचोड़ तथा निर्यात में गिरावट के कारण वित्तीय वर्ष 2016 में 7.6% से कम होकर वित्तीय वर्ष 2017 में 7.4% हो सकती है।

भारत के बैंक मुख्य रूप से लाभप्रदता और पूंजी पर्याप्तता के संबंध में व्यापक रूप से प्रभावित होने के साथ आस्ति गुणवत्ता मुद्दों के कारण जबरदस्त तनाव में हैं।

कुछ अलग अलग बैंकों अर्थात भुगतान बैंक और लघु वित्त बैंक जो पहले से ही विद्यमान हैं, उनके रहते रिजर्व बैंक आगे ऐसे कुछ अधिक बुटीक बैंकों जैसे, संरक्षक बैंक अथवा थोक बिक्री के लिए बैंकों व लंबी अवधि के वित्तपोषण के लिए बैंकों की संभावनाओं का पता लगा रहा है।

बैंक का कार्यनिष्पादन:

आपका बैंक पिछले कुछ वर्षों से कठिन समय से गुजर रहा है। यह प्रवृत्ति 2015-16 में भी जारी रही, यद्यपि इसमें कुछ कमी आई है। व्यापारिक बाध्यताओं ने बैंक को अपनी व्यापार रणनीतियों को एक नई दिशा देने तथा अपने कारोबार मिश्र को एक नयी आकृति प्रदान करने के लिए प्रेरित किया है ।

कार्य निष्पादक संकेतक:

- 31.03.2016 तक कुल रु187813 करोड़ का व्यवसाय हुआ और इसमें 5.58% की सामान्य वृद्धि हुई।
- कुल जमाराशि रु 7583 करोड़ (6.97%) की वृद्धि के साथ रु116401 करोड़ हुई । कम लागत बचत बैंक जमा में काफी वृद्धि हुई, जबकि बैंक ने तरजीही दर पर किसी भी थोक जमा को स्वीकार करने से परहेज किया।
- कासा जो बैंक की मज़बूती है, इसमें वर्षवार 6.64% की वृद्धि हुई है और यह रु45755 करोड़ से बढ़कर रु48791 करोड़ हो गया है तथा यह कुल जमा के 41% से अधिक पर लगातार बना हुआ है।
- अग्रिमों में 3.40% का धीमा विकास हुआ है।
- ट्रेजरी आय और अन्य आय घटकों में गिरावट के कारण वित्त वर्ष16 में बैंक का परिचालन लाभ घटकर रु1812 करोड़ हो गया है, जो पिछले वर्ष में रु2428 करोड़ था। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा लगातार ब्याज दरों में कटौती की घोषणाओं के बावजूद, पूरे वित्तीय वर्ष में बाजार प्रतिलाभ उंचे स्तर पर कायम रहा लेकिन बहुत अंतिम दौर में इसने बैंक को लाभ करने से बाधित किया। तथापि, हमें उम्मीद है कि इस वर्ष बैंक को पर्याप्त लाभ करने के लिए प्रचुर अवसर होगा।
- भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा संचालित आस्ति गुणवत्ता समीक्षा (एक्यूआर) की पृष्ठभूमि में बढ़ रही अनर्जक आस्ति (एनपीए) और कुछ बड़ी कंपनियों के खातों की स्लिपेज चुनौतीपूर्ण स्थितियों के मुख्य कारक तत्व हैं। अन्य सभी ऑपरेटिंग और वित्तीय मानकों के आधार पर इसका व्यापक प्रभाव रहा है, बैंक ने पिछले वर्ष रु256 करोड़ के लाभ के मुकाबले, इस वर्ष रु282 करोड़ का शुद्ध घाटा किया है।
- आधार दर में कटौती के कारण, वर्ष 2015-16 में शुद्ध ब्याज आय रु2281 करोड़ रहा जो पिछले वर्ष रु2491 करोड़ था।
- बैंक का सकल एनपीए रु9471.01 करोड़ (13.26%) और निवल एनपीए रु6111 करोड़ (9.04%) रहा।

- वित्त वर्ष16 में, कुल एनपीए वसूली और उन्नयन रु. 2093 करोड़ का हुआ, इसमें से नकदी वसूली रु. 541.42 करोड़ हुई, जिसके परिणामस्वरूप एनपीए में रु.890.35 करोड़ की समग्र कमी हुई है।
- वित्त वर्ष 2016 में एनआईएम 2.01% रहा।
- 31 मार्च 2016 को बासेल-III के तहत सीआरएआर 10.08% था और टीयर I में 7.93%।

व्यापार पहल:

- वर्ष 2016-17 में ऋण देने के लिए बैंक का ध्यान एमएसएमई और खुदरा क्षेत्रों में होगा। बैंक मुद्रा योजना, स्टैंडअप इंडिया योजना के तहत दिए गए लक्ष्य को हासिल करने का प्रयास करेगा और अपने खुदरा चैनलों विशेष रूप से आवास, शिक्षा और वाहन ऋण खंडों को मजबूत करेगा।
- पूंजी दुर्लभ और बहुत महंगी है। वर्ष 2016-17 में पूंजी की स्थिति को मजबूत बनाने और इसका संरक्षण करने पर ध्यान दिया जाएगा। अग्रिम देते समय बैंक सरकार की गारंटी योजनाओं पर ध्यान केंद्रित करेगा और उन क्षेत्रों से बचने का प्रयास करेगा, जिसमें पूंजी डूबने की संभावना हो। बैंक अपने संसाधनों को बढ़ायेगा ताकि भविष्य में धन में वृद्धि सुनिश्चित की जा सके।
- बैंक अपनी प्रक्रिया और प्रणालियों में तकनीकी सुधार द्वारा और उसे व्यवस्थित करके लगातार अपने उत्पादों एवं सेवाओं का उन्नयन कर रहा है। ई कियोस्क का शुभारम्भ, ऑनलाइन बचत बैंक खाता खोलने की सुविधा, इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से तुरंत भुगतान सेवा (आईएमपीएस) आधारित 24X7 निधि अंतरण की सुविधा तथा मोबाइल और इंटरनेट आधारित वालेट सेवाएं इसके कुछ उल्लेखनीय उदाहरण हैं। ई कियोस्क लगभग एक शाखा की तरह कार्य करता है जहां खुदरा ग्राहकों के लिए सभी सेवाएं आवश्यकतानुसार सुबह-शाम 24/7 उपलब्ध हैं।
- बैंक ने कोटक सिक्यूरिटी लि. के साथ संयुक्त रुप से अपने शेयर व्यापार उत्पाद यू कनेक्ट ट्रायो की शुरूआत की है जो ग्राहकों को घर बैठे ही इंटरनेट पर बैंक खाता, डीमैट खाता और शेयर व्यापार खाता तथा समेकित व्यापार जैसे 1 में 3 खाते खोलने की सुविधा प्रदान करता है।
- बैंक ने अधिक से अधिक नए किसानों को केसीसीनेट के तहत शामिल करने के उद्देश्य से किसान केडिट कार्ड जारी करने हेतु विशेष शिविरों का आयोजन किया था। सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसरण में बैंक ने केसीसी धारकों को 3.60 लाख रुपे आधारित एटीएम कार्ड जारी किए, यह सभी पात्र केसीसी धारकों का 93% है।
- बैंक ने समाज के आर्थिक रुप से कमजोर वर्ग के संभावित उद्यमियों को प्रशिक्षित करने के लिए पश्चिम बंगाल, असम और त्रिपुरा राज्यों में अबतक 14 आरसेटी की स्थापना की है।
- यह बैंक पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा राज्य में राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) का संयोजक है साथ ही उसे चार राज्यों के कुल 34 जिलों में अग्रणी बैंक का दायित्व भी सौंपा गया है जिनमें से 10 जिले पश्चिम बंगाल में 12 असम में, 4 मणिपुर में और 8 त्रिपुरा राज्य में फैले हुए हैं।
- बैंक अपने पुराने ढांचे की मौजूदा नेटवर्क संरचना को पूरी तरह से सुधारने के लिए उसे उन्नत मल्टीप्रोटोकॉल लेवेल स्विचिंग (एमपीएलएस) तकनीक में परिवर्तित कर रहा है । साथ ही अत्यधिक उपलब्धता और बेहत्तर कार्यनिष्पादन के लिए अपने नेटवर्क बैंडविथ का भी उन्नयन कर रहा है । बैंक ने बैंडविथ रिच बैंकिंग एप्लीकेान को सहजतापूर्वक कार्यान्वित करने के लिए नेटवर्क की कार्यक्षमता में सुधार हेतु सभी शाखाओं में वाईड एरिया नेटवर्क (डब्ल्यू ए एन) ऑपटिमाईजेान सॉल्यूशन विकसित किया है।
- बेहतर वसूली के लिए, बैंक ने राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एसआरएलएम), जिसके तहत शाखाओं में बैंक सखी/ बैंक मित्र को नियुक्त किया गया है, उनकी सहायता से समुदाय आधारित वसूली तंत्र (सीआरबीएम) में प्रतिभागिता करना आरंभ किया है ।
- बैंक ने ग्राहकों की संतुष्टि के लिए त्वरित सेवाएं, नए उत्पादों/सेवाओं की शुरुआत और अल्प टर्न अराउंड टाइम (टीएटी) जैसी सुविधाओं के माध्यम से विभिन्न सुधारात्मक कदम उठाएं हैं। बैंक ने त्वरित, निष्पक्ष एवं भेदभाव रहित निवारण तंत्र की सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से व्यापक शिकायत प्रबंधन प्रणाली (सीसीएमएस) के रुप में एक पोर्टल की शुरुआत की है।

सीएसआर

- बैंक ने 71 समाज कल्याण गतिविधियों के लिए कुल रु. 2.13 करोड़ की वित्तीय सहायता पिछले वित्तीय वर्ष में प्रदान की है ।

पुरस्कार

- आपके बैंक को त्रिपुरा राज्य में एसएलबीसी संयोजक के रूप में अधिकतम उप सेवा क्षेत्र को शामिल करने, बांकुड़ा जिले में अग्रणी जिला प्रबंधक के रूप में किसी बैंकर द्वारा किसी एक जिले के अंतर्गत अधिकतम उप सेवा क्षेत्र को शामिल करने, पश्चिम बंगाल राज्य में एसएलबीसी संयोजक के रूप में पहचान किए गए अधिकतम घर परिवार को शामिल करने के संबंध में अधिकतम प्रतिशत उपलब्धियों के लिए मान्यता प्रमाणपत्र तथा कूचबिहार शाखा द्वारा पीएमजेडीवाई खातों में कुल जमा संग्रहण हेतु तृतीय स्थान प्राप्त हुआ है।

कौशलविकास

- सेवा क्षेत्रों में बने रहने के लिए कौशलविकास, विशेष रुप से सॉफ्ट स्किल्स अनिवार्य हो गया है। एक उन्नत भविष्य सुनिश्चित करने के लिए बैंक ने विशेष आरंभिक प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत की है जहां नव नियुक्त अधिकारियों को उनके स्थायी तैनाती के पहले ही 16 सप्ताह के लिए क्लास रुम प्रशिक्षण और व्यवहारिक प्रशिक्षण एक साथ प्रदान किया जा रहा है।
- बैंक के पास एक मेंटरिंग प्रक्रिया है जिसमें अनुभवप्राप्त कार्यपालक नव नियुक्त अधिकारियों/ कर्मचारियों का मार्गदर्शन करते हैं।
- बैंक ने एसडब्ल्यूओ के लिए नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ इंफोरमेशन टेक्नोलोजी लि. (एनआईटीटी) और इंस्टिट्यूट ऑफ फाइनान्स, बैंकिंग एंड इन्श्यूरेंस (आईएफबीआई) के साथ 3 वर्षों के प्राक्षिण कार्यक्रम हेतु सहमति ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षिरत किया है।
- मौजूदा अधिकारियों के आधारभूत ज्ञान को लगातार अद्यतन करते रहने तथा बैंकिंग और वित्त के विभिन्न पहलुओं पर विचारों का आदानप्रदान करने के लिए उन्हें मंच प्रदान करने हेतु बैंक ने 'क्वेस्ट' नाम से एक ऑनलाइन प्रशिक्षण मॉड्यूल की शुरुआत की है।

मैं केन्द्र सरकार को उनके अनवरत सहयोग, भारतीय रिज़र्व बैंक को उनके मार्गदर्शन, सेबी और स्टॉक एक्सचेंज, बैंक के बहुमूल्य ग्राहकों एवं शेयरधारकों को हर परिस्थिति में प्रोत्साहन के साथ बैंक का साथ देने, युबीआई परिवार के सभी सदस्यों और कर्मचारियों को इस बड़े संस्थान की गरिमा बनाए रखने में अथक सहयोग देने के लिए, उनके प्रति आभार व्यक्त करता हूं ।

यह मेरी अंतिम वार्षिक आम बैठक है। मैं व्यक्तिगत रुप से इस बैंक और इसके सभी घटकों को शुभकामना देता हूं।

पि. श्रीनिवास
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी